मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

Licenced to post without Pre-Payment Posted at DPSO Delhi on 10/11.03 2023
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg. New Delhi - 110 001 - INDIA
वर्ष : 59 अंक 03 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
मार्च 2023 बहाई वर्ष : 179—180

विश्व न्याय मन्दिर

वैश्विक योजनाओं की श्रृंखला जो रिज़वान में प्रारम्भ हुई, पूरे पच्चीस साल तक चलेगी। यह प्रभुधर्म की नौका को बहाई युग की तीसरी शताब्दी में ले जाएगी और रिज़वान 2046 में समाप्त होगी। इस अवधि के दौरान, बहाई विश्व एक ही उद्देश्य पर केंद्रित होगा : प्रभुधर्म की समाज—निर्माण शक्ति की सदैव बढ़ती मात्रा में निर्मुक्ति। इस समग्र उद्देश्य के प्रयासों के लिए अनुयायी, स्थानीय समुदाय और प्रभुधर्म की संस्थाओं की क्षमता में और अधिक वृद्धि की आवश्यकता होगी।

—30 दिसम्बर, 2021

झारखण्ड में आयोजित होने वाली गतिविधियों की झलक

• विशेष अवसरों का लाभ उठाने की संस्कृति की दिशा में झारखण्ड के पटमदा के बारूबेड़ा गाँव ने एक प्रेणादायक प्रयास किया। जहाँ हम सभी जनवरी के प्रथम सप्ताह में पिकनिक में व्यस्त रहते हैं उसी का लाभ उठाते हुए मित्रों ने 3 जनवरी, 2023 को स्थानीय लोगों की सहायता से किशोरों को किशोर पुस्तकों से संबंधित अवधारणाओं, कहानियों एवं कलाकृतियों से संबंधित तैयारियाँ कराईं। मेले के दौरान सभी बच्चों तथा किशोरों ने प्रेरणादायक प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत कीं। इस अवसर पर स्थानीय अभिभावकों ने भी भाग लिया और उन्होंने इस प्रकार के प्रयासों की भरपूर सराहना की।



बारूबेड़ा गाँव में आयोजित बाल एवं किशोर मेले के प्रतिभागी

लगभग 55 बच्चों और किशोरों के साथ बहाई मेले का आयोजन किया। इस मेले के दौरान उपस्थित बच्चों और किशोरों ने पिछले वर्षों में प्राप्त सीख एवं कलाकृतियों की प्रस्तुति की। स्थानीय मित्रों के सहयोग से यह पूरा कार्यक्रम पूर्णरूप से आत्मनिर्भर रहा। स्थानीय संयोजक एवं सहायक मण्डल सदस्य भी इस अवसर पर उपस्थित हुए रहे। स्थानीय शिक्षकों ने बच्चों को गीत, कहानी, नृत्य, उद्धरण इत्यादि से संबंधी सभी तैयारियाँ कराईं, वहीं अनुप्रेरकों ने

• जमशेदपुर स्थित बहाई केंद्र में बहाई कोष पर दो दिवसीय राज्य स्तरीय दृढ़ीकरण बैठक 29 और 30 जनवरी, 2023 को सम्पन्न हुई। इस बैठक में राज्य के विभिन्न क्लस्टरों तथा समुदायों से लगभग 55 मित्रों ने भाग लिया, जिसमें राज्य तथा क्लस्टर/समुदाय स्तर की संस्थाओं एवं एजेंसियों में सेवा दे रहे मित्रगण शामिल हुए। इसके अलावा कुछ अन्य बहाई परिवार भी शामिल हुए। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य नई दिल्ली में आयोजित की गई कोष सम्बर्धन बैठक की सीखों एवं अन्तर्दृष्टियों को साझा करना एवं बहाई कोष के प्रति अपनी समझ को और परिष्कृत करना था। इन दो दिनों में बहाई कोष पर परिषद द्वारा तैयार की गई अध्ययन सामग्री को पढ़ा गया और उस संदर्भ में अपने—अपने अनुभवों को साझा किया गया। बहाई कोष पर आधारित कई प्रेरणादायक कहानियों को भी साझा किया गया। बहाई कोष के

शेष पृष्ठ 4 पर

इस अंक में

चंडीगढ़ में वार्षिक बैठक का आयोजन

क्षेत्रीय बहाई परिषद पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश एवं जम्मू—कश्मीर ने चंडीगढ़ के बहाई भवन में 10 से 12 फरवरी 2023 तक पूरे क्षेत्र के लिए तीन दिवसीय वार्षिक योजना बैठक का आयोजन किया। इस बैठक में दो सलाहकार भी उपस्थित रहे, जिन्होंने अपनी अंतर्दृष्टि के माध्यम से मार्गदर्शन और प्रेरणा दी और प्रभुधर्म के इतिहास को भी बताया। इस प्रकार यह मित्रों का मनोबल बढ़ाने और समुदाय की सेवा करने में मदद करेगा। सलाहकारों ने याद दिलाया कि नौ वर्षीय योजना का बहुमूल्य एक वर्ष शीघ्र ही समाप्त होने वाला है और हमारे पास आठ वर्ष शेष रह जाएंगे। एक तरह से हमें बहुत अधिक स्पष्ट रूप से समझने में मदद मिली।

अंत में, सलाहकार की सहायता से एक वर्ष के लिए क्षेत्र हेतु एक विस्तृत और व्यापक योजना बनाई गई।

वार्षिक सभा में शामिल कुछ विषय और चर्चाएँ इस प्रकार थे :

1. क्षेत्र का संक्षिप्त विवरण साझा किया गया और चर्चा की गई जिसमें चुनौतियाँ और शक्ति शामिल थीं। सलाहकारों ने हमें अपनी शक्ति देखने की सलाह दी क्योंकि हमारे क्षेत्र में काफी संभावनाएँ और क्षमताएँ हैं। हमें आश्वस्त होना चाहिए और बहाउल्लाह से पुष्टि की याचना करनी चाहिए।



प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले मित्रगण

जागरूक होना होगा और देखना होगा कि नौ साल की योजना के अंत तक हम अपने क्षेत्र को कहां पाना चाहते हैं। उसी के अनुसार हमारी तैयारी और योजना निर्धारित होनी चाहिए।

सभी मित्रगण बहुत प्रोत्साहित थे। इसमें प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से करीब 70 प्रतिभागी शामिल हुए। दिल्ली के सामाजिक क्रिया और लर्निंग साइट के दो डेस्क भी जुड़े और अपनी प्रस्तुति दी। परिषद की सभी एजेंसियों ने प्रस्तुति के माध्यम से अपने—अपने क्लस्टर में क्या उभर कर आया और क्लस्टर की वास्तविकता के बारे में अपनी सीख साझा की, जिससे प्रतिभागियों को

2. सलाहकारों ने क्लस्टरों के अभिगमन, सबसे उन्नत क्लस्टर से सीखना, सामाजिक परिवर्तन में योगदान, शैक्षिक प्रयासों और प्रशिक्षण संस्थान के बारे में बात की।

3. सलाहकारों ने विकास के चक्र के बारे में बात की और बताया कि एक सुनियोजित समीक्षा बैठक का होना कितना महत्वपूर्ण है जो शिक्षण, दृढ़ीकरण और मानव संसाधन विकास गतिविधियों की ओर ले जाती है। यह समुदाय के हृदय की धड़कन है। परिषद को सलाह दी गई कि यदि संभव हो तो सभी पंद्रह स्थानीय आध्यात्मिक

शेष पृष्ठ 2 पर

उत्तर प्रदेश में आयोजित गतिविधियाँ

• उत्तर प्रदेश के काकोरी में उत्तर प्रदेश दिल्ली एवं उत्तराखंड के प्रशिक्षण संस्थान के मार्गदर्शन में पूरे क्षेत्र के संयोजकों के प्रशिक्षण हेतु एक कार्यक्रम का आयोजन काकोरी बहाई भवन में किया गया। अक्टूबर 2022 से फरवरी 2023 तक दो समूहों को प्रशिक्षित किया गया है। हाल ही में एक दल को प्रशिक्षित किया गया, जिसमें काकोरी, सांडी, बुंदेलखंड, कन्नौज और बिधूना उपक्षेत्रों से प्रतिभागी शामिल हुए। पहले दिन 29 प्रतिभागियों ने अपना पंजीकरण कराया था, परन्तु कुछ कारणों से 5 प्रतिभागी वापस लौट गए और कुल 24 संयोजकों ने अपने प्रशिक्षण को पूर्ण किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संस्थान मंडल के साथ–साथ काकोरी की शाखा टीम, सहायक मंडल सदस्य और सलाहकार ने बहुत सहायता की। इसके साथ–साथ आंतरिक रुप से ट्यूटर के रूप में कुछ मित्रों ने भी सहयोग किया। कार्यक्रम की शुरुआत में लगभग 7 से 10 दिन इस दल को व्यवस्थित और मिलने–जुलने में काफी समस्याएँ हुईं परंतु धीरे–धीरे इनमें काफी बदलाव आया और वह सभी घुल मिल गए और अंत में जाते समय एक–दूसरे से बिछड़ते हुए अत्यधिक भावुक हुए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 10 लोग नए थे, जिन्होंने इसी प्रशिक्षण कार्यक्रम में ही रूही पुस्तकों को पढ़ करके प्रभुधर्म और पुस्तकों को समझा और इन्हीं मित्रों में खासतौर से बहुत परिवर्तन भी देखने को मिला। इस कार्यक्रम में पुस्तक–1 से 7 तक का अध्ययन किया। साथ ही, दो अन्य पुस्तकें संपुष्टि की सुरभि और आस्था की चेतना का भी अध्ययन किया। कार्यक्रम को शुरू करने से पहले विश्व न्याय मंदिर के 30 दिसंबर, 2021 के संदेश से शैक्षिक उद्यम और प्रशिक्षण संस्थान नामक दस्तावेज का अध्ययन किया गया, जिससे प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य में शिक्षा की केन्द्रीयता को समझा गया। कार्यक्रम 4 फरवरी की शाम को समाप्त हुआ और 5 फरवरी 2023 को उनका दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। साथ ही, कुछ बहाई साहित्य भी दिया गया, जिससे वह अपने घर में अपने ज्ञान को बढ़ा सकें।



काकोरी में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने वाले मित्रगण

• हमीरपुर ग्रुप ऑफ क्लस्टर के बिदोखर गांव में किशोरों के साथ पहली बैठक संपन्न हुई, जिसमें नियमित रूप से किशोर समूह में आने वाले किशोरों ने गांव के अन्य किशोरों को इस बैठक में आने के लिए आमंत्रित किया और साथ में लेकर आए।

बैठक में निम्नलिखित चुने गए विषयों पर चर्चाएँ हुईं–

1– शिक्षा के बारे में
2– अपने भविष्य के बारे में
3– सेवा के कार्यों के बारे में
4– गांव के बारे में
5– पर्यावरण के बारे में

किशोरों की बैठक प्रार्थनाओं से शुरू हुई। प्रार्थना के पश्चात पिछले समय और वर्तमान समय को लेकर चर्चाएँ हुईं कि पहले लोगों के पास किसी भी प्रकार की सुविधाएँ नहीं थीं लेकिन आज हर तरह की सुविधाओं के बावजूद लोग खुश क्यों नहीं हैं। किशोरों ने इस पर काफी चर्चाएँ की और अपने–अपने विचारो को प्रस्तुत किया। इसके बाद फिर कुछ प्रश्नों

शेष पृष्ठ 3 पर

कुर्सियांग क्लस्टर में सामाजिक क्रिया पर सेमिनार का आयोजन

सिक्किम और दार्जिलिंग की परिषद ने कुर्सियांग क्लस्टर में सामाजिक क्रिया पर 22 दिसम्बर, 2022 को एक सेमिनार का आयोजन किया। इस सेमिनार में क्षेत्र से संबंधित सलाहकार, राष्ट्रीय सामाजिक क्रिया कार्यालय प्रमुख और जूनियर यूथ रिसोर्स पर्सन भी उपस्थित रहे। सेमिनार के दौरान रूही पुस्तक–13 और 14 में से 1 यूनिट का सफलतापूर्वक अध्ययन किया गया।

सेमिनार में क्षेत्रीय उच्च संस्थानों के सदस्य, क्लस्टर समन्वयक, क्लस्टर विकास सहायक और विभिन्न स्थानीय आध्यात्मिक सभाओं के सदस्य भी उपस्थित थे।

रूही पुस्तक की दोनों इकाईयों का अध्ययन उपस्थित मित्रों के लिए वास्तव में एक सजगता वाला क्षण था क्योंकि सभी सामाजिक क्रिया के बारे में बहुत संकीर्ण दृष्टि से सोच रहे थे, लेकिन अब रूही पुस्तक–13.1 के अध्ययन से सामाजिक क्रिया के सही अर्थ को समझने में सक्षम हैं।



कुर्सियांग में आयोजित सेमिनार में अध्ययन करते हुए

कुल मिलाकर, सिक्किम और दार्जिलिंग क्षेत्र से 40 से अधिक मित्रों ने सेमिनार में भाग लिया।

सामाजिक क्रिया सेमिनार ने बहाउल्लाह की शिक्षाओं के साथ समाज की भलाई के लिए सेवा के मार्ग पर चलने के लिए एक नया क्षितिज प्रदान किया।

चंडीगढ़ में वार्षिक बैठक का आयोजन

पृष्ठ 1 का शेष

सभाओं में चक्र की लय को सुदृढ़ करें।

4. अब्दुल बहा, धर्मसंरक्षक के दृष्टिकोण और विश्व न्याय मंदिर के कुछ संदेशों से सलाहकारों द्वारा पायनियरों के लिए महत्वपूर्ण और आवश्यकता पर विचार–विमर्श किया गया। इस संबंध में विश्व न्याय मंदिर के 23 मई, 2016 के संदेश को भी पढ़ा गया और चर्चा की गई। नौ मित्रगणों ने पायनियर सेवा करने के लिए अपनी सहमति व्यक्त की।

5. बहाई धर्म में प्रभुधर्म की शिक्षा देना कितना महत्वपूर्ण है और धर्म की शिक्षा देना प्रत्येक व्यक्ति के लिए अनिवार्य है। सलाहकारों ने पहले के अनुयायियों की कुछ कहानियाँ साझा कीं जिन्होंने ईश्वर की राह में अपना जीवन बलिदान कर दिया।

इसमें एक सांस्कृतिक कार्यक्रम और कोष मेले का भी आयोजन किया गया। अंतिम दिन कोष के महत्व पर एक पॉवरपॉइंट प्रस्तुति हुई, जिसके बाद परिषद की कोषाध्यक्ष रिपोर्ट में राष्ट्रीय योगदानकर्ताओं की संख्या बढ़ाने और 2022–2023 के लिए निर्धारित वार्षिक आत्मनिर्भरता लक्ष्य को पूरा करने पर बल दिया गया।

परिषद आशा करती है कि इन तीन दिनों के दौरान जो कुछ भी सीख और अंतर्दृष्टि प्राप्त की गई है, वह हमारे संबंधित स्थानों पर और सामूहिक प्रयास के माध्यम से और प्रिय सलाहकारों के मार्गदर्शन में क्रियान्वित की जाएगी। मित्र अधिक से अधिक सामुदायिक निर्माण गतिविधियों में संलग्न होंगे।

विश्व मानवाधिकार दिवस पर संगोष्ठी

भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा के सार्वजनिक मामलों के विभाग ने 10 दिसंबर 2022 को मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा (यूडीएचआर) के 74 वें वर्ष के उपलक्ष्य में – मानवाधिकारों की पहली वैश्विक घोषणा और 1948 में संयुक्त राष्ट्र की पहली बड़ी उपलब्धियों में से एक – पर संगोष्ठी का आयोजन किया।

इस संगोष्ठी में, राजदूत के. पी. फैबियन– इंडियन सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ में प्रोफेसर; सुश्री रिनचेन ल्हामो– भारत सरकार के राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग की सदस्य; डॉ. नुजहत परवीन खान– स्कूल ऑफ लॉ, बेनेट यूनिवर्सिटी और टाइम्स ग्रुप की पूर्व डीन; श्री संजय गुप्ता– गैर–सरकारी संगठन चेतना के निदेशक और डॉ. जी. वी. राव, भारत के सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत सार्वजनिक मामलों के कार्यालय की निदेशक द्वारा एक स्वागत सम्बोधन के साथ हुई, जिसमें उन्होंने मानवाधिकारों में बहाई धर्म के विश्वास को साझा किया, जो मानव के लिए हमारी अंतर्निहित क्षमता को पहचानने और पूरा करने के लिए एक साधन के रूप में कार्य करता है। फिर भी, धार्मिक पूर्वाग्रह प्रमुख बाधाओं में से एक है जो "हम और वे" के विभाजित समाज का निर्माण करता है, जिसके कारण कई समुदाय विशेष रूप से बहाई अपनी जन्मभूमि ईरान में पीड़ित हैं। हालांकि एकता हासिल करने के लिए बड़े कदम उठाए गए हैं, फिर भी पूर्वाग्रह की प्रवृत्ति बनी रहती है। इसलिए यह समय की आवश्यकता है कि विभिन्न व्यक्ति और समुदाय धर्म द्वारा प्रस्तावित एकता, न्याय और सद्भाव के सिद्धांतों के शक्तिशाली प्रभाव के माध्यम से इन पूर्वाग्रहों को समाप्त करने के लिए एकजुट होकर कार्य करें।



विश्व मानवाधिकार दिवस पर आयोजित संगोष्ठी का दृश्य

वक्ताओं ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे मानवजाति की एकता अधिक स्पष्ट हो रही है क्योंकि मानवता सोशल मीडिया और प्रौद्योगिकी के माध्यम से आपस में जुड़ी हुई है जो हमें दुनिया भर में प्रत्येक के साथ सहानुभूति रखने में सक्षम बनाती है। उन्होंने दूसरों के अधिकारों के लिए खड़े होने के महत्व का भी उल्लेख किया क्योंकि यह व्यक्तियों के माध्यम से होता है कि परिवर्तन किसी के घर और समुदाय के भीतर होगा। धर्म हमारे जीवन में सिद्धांतों और शिक्षाओं को आत्मसात करके महत्वपूर्ण परिवर्तन लाने के लिए एक प्रभावी शक्ति है। बच्चों में इन मूल्यों को विकसित करने में परिवार की भूमिका पर वक्ताओं द्वारा बल दिया गया, क्योंकि उन्हें बार–बार सिखाया जा सकता है कि किसी भी व्यक्ति को किसी अन्य प्राणी को हानि पहुँचाने का अधिकार नहीं है और हमें प्रभावी परिवर्तन लाने के लिए अपने सामने होने वाले अन्याय के विरोध में खड़ा होना चाहिए।

उत्तर प्रदेश में आयोजित गतिविधियाँ

पृष्ठ 2 का शेष

पर बारी बारी से चर्चाएं हुई।

किशोरों ने शिक्षा के बारे में जाना कि अगर शिक्षा नहीं होती तो मनुष्य पशु की भांति रहता। फिर शिक्षा के बारे में किशोरों ने बताया कि हम सही और गलत की पहचान करने, लोगों की सेवा करने और अपने ज्ञान को बढ़ाने



हमीरपुर के बिदोखर गांव में आयोजित बैठक के प्रतिभागी

के लिए शिक्षा प्राप्त करते हैं। उसके बाद सभी किशोर जो भविष्य में बनना चाहते हैं उसके बारे में बारी–बारी से बताया। साथ ही, ये भी बताया कि हम ये क्यों बनना चाहते हैं, किशोरों ने बताया कि हम लोगों की सेवा और मदद के लिए इन सभी लक्ष्यों को पूरा करना चाहते हैं और ये बनना चाहते हैं जबकि कुछ किशोरों के अन्य विचार थे।

किशोरों ने बताया कि हम अपने से छोटे बच्चों को शिक्षित कर सकते हैं, लोगों की मदद कर सकते हैं।

चर्चाओं के माध्यम से गांव की वास्तविकता को समझा उनमें से गांव की कुछ समस्याएँ सामने निकल कर आईं जो किशोर अपने गांव में रोज देखते हैं। इन सभी समस्याओं से निपटने के लिए हमें क्या–क्या प्रयास करने होंगे तो किशोरों ने बताया कि सबसे पहले हमें अपने आप को और अपने घर वालों को इन चीजों से बचाना होगा और फिर सभी लोगों को इसके लिए जागरूक करना होगा। हमें इन सभी चीजों को करने के लिए अपने ज्ञान को भी ज्यादा से ज्यादा बढ़ाना होगा। सभी किशोर इन चीजों को करने के लिए बहुत उत्साहित थे।

सबसे बाद में एक प्रश्न आया कि इन सभी चीजों को करने के लिए हम कब मिलेंगे तो किशोरों ने बताया की हम एक महीने में दो बार मिलेंगे। एक बार महीने के पहले रविवार को और दूसरी बार महीने के आखिरी रविवार को मिलेंगे और मिलकर एक–एक कर इन समस्याओं पर बारी–बारी से अध्ययन, परामर्श, चर्चाएँ, प्रयास और कार्य करेंगे।

बाद में किशोरों ने कुछ सुंदर गीत गाए। कार्यक्रम के अंत में सभी किशोरों ने बहाई उपासना मंदिर के बारे में जानने के लिए छोटी सी फिल्म देखी जो बहाई उपासना मंदिर के बारे में बहुत–सी जानकारियाँ उपलब्ध कराती है इसको देखने के बाद किशोर बहुत उत्साहित हुए।

नवरूज़ की हार्दिक शुभकामनाएँ

राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा सभी मित्रगणों को नवरूज़ की शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए यह आशा करती है कि सभी मित्र प्रभुधर्म की सेवा में अत्याधिक उत्साह के साथ निमग्न होकर ईश्वर के परम आशीषों से सराबोर हो जाएँ।

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204
Delhi P.S.O.
Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2021-22-23
Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2021-22-23

बहाई विवाह



श्री झंटू नामा और सुश्री सम्पा सरकार का विवाह त्रिपुरा में धर्मनगर स्थानीय आध्यात्मिक सभा के तत्वावधान में 8 दिसम्बर, 2022 को बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।



श्री बिकास डे और सुश्री रूमा सरकार का विवाह अगरतला बहाई भवन में स्थानीय आध्यात्मिक सभा अगरतला के तत्वावधान में 8 दिसम्बर, 2022 को बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।



श्री गोपाल अचार्जी और सुश्री रीमा देबनाथ का विवाह 27 जनवरी, 2023 को उदयपुर बहाई भवन में स्थानीय आध्यात्मिक सभा उदयपुर के तत्वावधान में बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।

झारखण्ड में आयोजित होने वाली गतिविधियों की झलक

पृष्ठ 1 का शेष

प्रकार, कोष में दान देने का आध्यात्मिक महत्व, बहाई कोष की पवित्रता, इसका उपयोग एवं रखरखाव इत्यादि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपनी समझ को और बढ़ाने का प्रयास किया गया। अध्ययन के दौरान गीत–संगीतों का भी लाभ उठाया गया और चयनित उद्धरणों को भी कंठस्थ किया गया। राज्य में कई मित्रों द्वारा बहाई कोष के कुछ प्रेरणादायक किस्से तथा घटनाएँ साझा किए गए। वित्तीय दृष्टिकोण के साथ–साथ वस्तुओं एवं सेवाओं के द्वारा भी बहाई कोष में योगदान करने के आध्यात्मिक महत्व को समझने का सामूहिक प्रयास किया गया और इस प्रकार के योगदानों को सम्मेलनों के दौरान उपयोग हेतु आवश्यक समान दिए तो किसी ने प्रतिभगियों के लिए भोजन बनाने में श्रम दान किया। इसी प्रकार कई अन्य रोचक बातें सामने आईं जो हमें इस प्रकार के सहयोग को बढ़ाने में और प्रोत्साहित करती हैं तथा समुदाय के प्रति उनके प्रेम तथा त्याग को प्रदर्शित करती हैं। हमें वित्तीय सहायता जितनी ज्यादा आवश्यक है उतनी ही इस प्रकार की भावना भी। प्रत्येक अवसरों के लिए बहाई कोष की स्थापनाओं की विशिष्टताओं को अच्छी तरह से समझा गया, जो हमें उनकी उपयोगिता तथा उद्देश्य की याद दिलाता है और हमें प्रेरित करता है कि क्यों हम बहाई कोष में नियमित



जमशेदपुर में कोष पर आयोजित बैठक के प्रतिभागी

बढ़ाने की दिशा में अधिक से अधिक मित्रों को कैसे मदद की जाए, इस विषय पर सामूहिक परामर्श किया गया। अभी हाल ही में राज्य में सम्पन्न हुए सामुदायिक सम्मेलनों में इस प्रकार के योगदानों को विशेष रूप से महसूस किया गया, जहाँ पर किसी ने अनाज दिया तो किसी ने स्थान, किसी ने दान दें और अपने आध्यात्मिक कर्तव्यों को पूरा करें। अंतिम दिन में उपस्थित लगभग सभी मित्रों ने पुनः अपने मासिक बहाई कोष में दान देने का संकल्प लिया। खास बात यह रही कि अधिकतर मित्रों ने अपने परिवारों के नाम से भी संकल्प पत्र भरा और उसे नियमित रूप से देने का संकल्प लिया।

निवेदन

प्रिय मित्रों, अपने समुदायसमूह में होने वाली मूल गतिविधियों की रिपोर्ट तथा प्रेरणादायक घटनाएँ फोटोग्राफ के साथ हमें समय–समय पर भेजते रहें, जिससे की हम उन्हें बहाई समाचार में प्रकाशित कर सकें। *धन्यवाद !*

कुल पृष्ठ संख्या–4
बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2021-22-23
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2021-22-23
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at DPSO Delhi on 10/11.03.2023
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg.
New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कुमार)